पाठ 7. होमवर्क का पहाड़

पाठ का परिचय

इस पाठ में आजकल के महानगरीय जीवन के कामकाजी माता-पिता की संतान की मन:स्थिति तथा मुश्किल का चित्रण किया गया है। माधव एक छोटा लड़का है। वह आलसी नहीं है पर अकेले बैठकर होमवर्क करने की उसकी इच्छा ही नहीं होती। पहले उसकी मम्मी उसके साथ बैठकर उसका होमवर्क करा देती थीं पर अब वे भी उसके पापा की तरह काम पर जाने लगी हैं। इसलिए माधव का होमवर्क छूटते-छूटते अब वह बहुत पिछड़ गया है। हर समय उसके दिमाग में होमवर्क की चिंता रहती है, पर वह होमवर्क करना शुरू ही नहीं कर पाता। तभी एक बौना उसे कमरे के कौने में बैठा हुआ दिखाई देता है। वह उसका होमवर्क पूरा करने में उसकी सहायता करता है। इससे माधव का खोया हुआ आत्मविश्वास लौट आता है। अब वह परिश्रम से अपना होमवर्क करना शुरू करता है तथा उसे पूरा कर लेता है। इस प्रकार अब वह प्रतिदिन अपना होमवर्क पूरा कर लेता है और फिर बौने के साथ खेलता रहता है।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

आत्मविश्वास और इच्छा-शक्ति मनुष्य की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। इनके बल पर मनुष्य बड़े से बड़े काम को भी सहजता से कर सकता है और जब तक इनसान में ये दोनों न हों उसके लिए छोटा-सा काम भी पहाड़ बन जाता है।

पाठ का वाचन

अध्यापक/अध्यापिका पाठ का आदर्श वाचन करें। कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ। बच्चों से अनुकरण वाचन करवाएँ। उन्हें प्रत्येक परिच्छेद से संबंधित दो या तीन प्रश्न बनाने को कहें। उन प्रश्नों को वे अपनी कक्षा के अन्य विद्यार्थियों से पूछें व उत्तर जानें।

महत्वपूर्ण चर्चा

निम्नलिखित प्रश्नों पर आधारित चर्चा बच्चों से करें –

- क्या तुम अपना होमवर्क प्रतिदिन करते हो?
- घर के सदस्य तुम्हारे कार्यों में किस प्रकार सहायक हैं?
- यदि बौना माधव की सहायता न करता तो क्या होता?
- अगर कभी तुम्हें माधव की तरह अकेले रहना पड़े तो क्या करोगे?